विस्तार पत्रक–NRCC/2017-4

नर ऊँट में प्रजनन व्यवहार (झूट/रट) एवं उसका प्रबंधन

मुहम्मद मतीन अंसारी, राकेश रंजन, राजेश कुमार सावल,
सुमन्त व्यास एवं नितीन वी.पाटिल

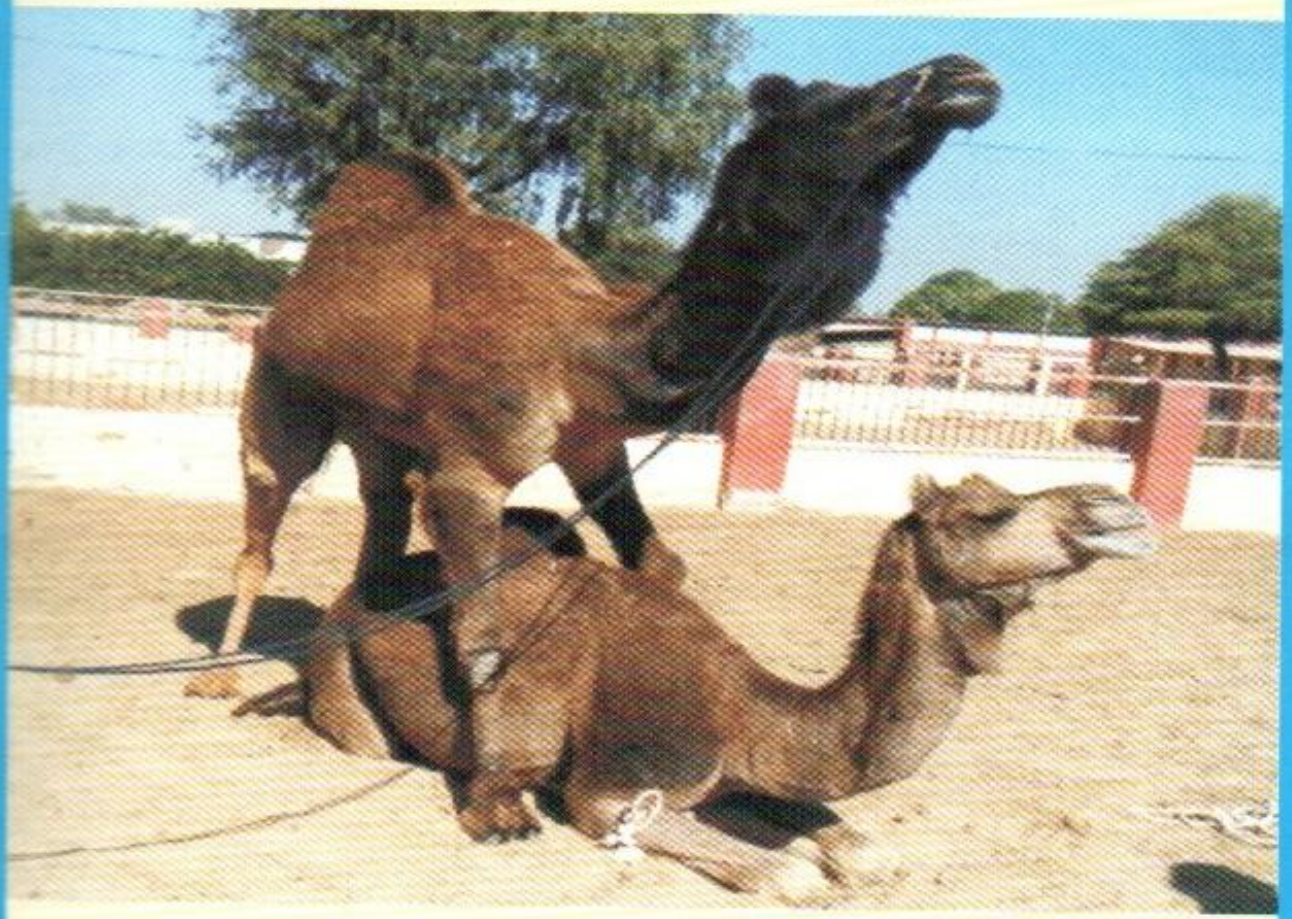

भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र
जोड़बीड़, शिवबाड़ी, बीकानेर
334001 (राजस्थान)

उष्ट्र प्रजनन व्यवहार का अच्छा ज्ञान किसानों, पशु चिकित्सकों, वैज्ञानिकों एवं उष्ट्र पालन से संबंधित लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है। नर ऊँटों मे प्रजनन के लक्षण (रट/झूट) सर्दियों के मौसम में ही दिखाई देते हैं यानि मोटे तौर पर नवम्बर से फरवरी–मार्च तक हम कह सकते हैं कि यह प्रजनन काल है। प्रजनन मौसम के दौरान ऊँटों में आक्रामकता बढ़ जाती है और ये दूसरे जानवरों और ऊँट पालकों को चोट पंहुचा सकते हैं। नर ऊँट द्वारा प्रचुर मात्रा में झागदार लार गिरना, विशेष आवाज के साथ कोमल तालू का गुब्बारे की तरह बाहर निकलना (डूल्ला/गुल्ला), खास फ्लेह्मेन (flehmen) प्रतिक्रिया देना यानी नर ऊँट मादा ऊँट के पिछले हिस्से को सूँघने के बाद ऊपरी होंठ को सिकोड़ते हुए सिर ऊपर की ओर उठाता है, गर्दन की पोल ग्रंथियों से प्रचुर मात्रा में स्राव निकलना, नर ऊँटों द्वारा वयस्क मादा ऊँटों को सूँघना, छूना और मादा की गर्दन पर काटना, मूत्र छिड़काव करके पूँछ आगे–पीछे मारना आदि लक्षण देखने को मिलते हैं। नर ऊँटों में प्रजनन व्यवहार की सही जानकारी ऊँटों के प्रबंधन, अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए उपयोगी हो सकती है।

नर ऊँट के प्रजनन व्यवहार/लक्षण की विस्तृत जानकारी निम्नलिखित बिन्दुओं में दी गयी है :

1. झागदार लार

प्रजनन काल के दौरान नर ऊँटों के मुंह से झागदार लार अधिक मात्रा में निकलने लगती है। ऊँट बार बार एक खास किस्म की आवाज निकालता है, कुछ चबाने की कोशिश करता है और तत्पश्चात लार का स्राव बढ़ जाता है।

2. कोमल तालु का गुब्बारा (गुल्ला)

ऊँटों में कोमल तालू की गुब्बारे नुमा गुलाबी झिल्ली, हवा लार एवं विशेष आवाज के साथ बाहर आती है। इसके कारण झागदार लार हवा में उड़ने लगती है। लार एवं खास आवाज प्रजनन में मददगार होती है।

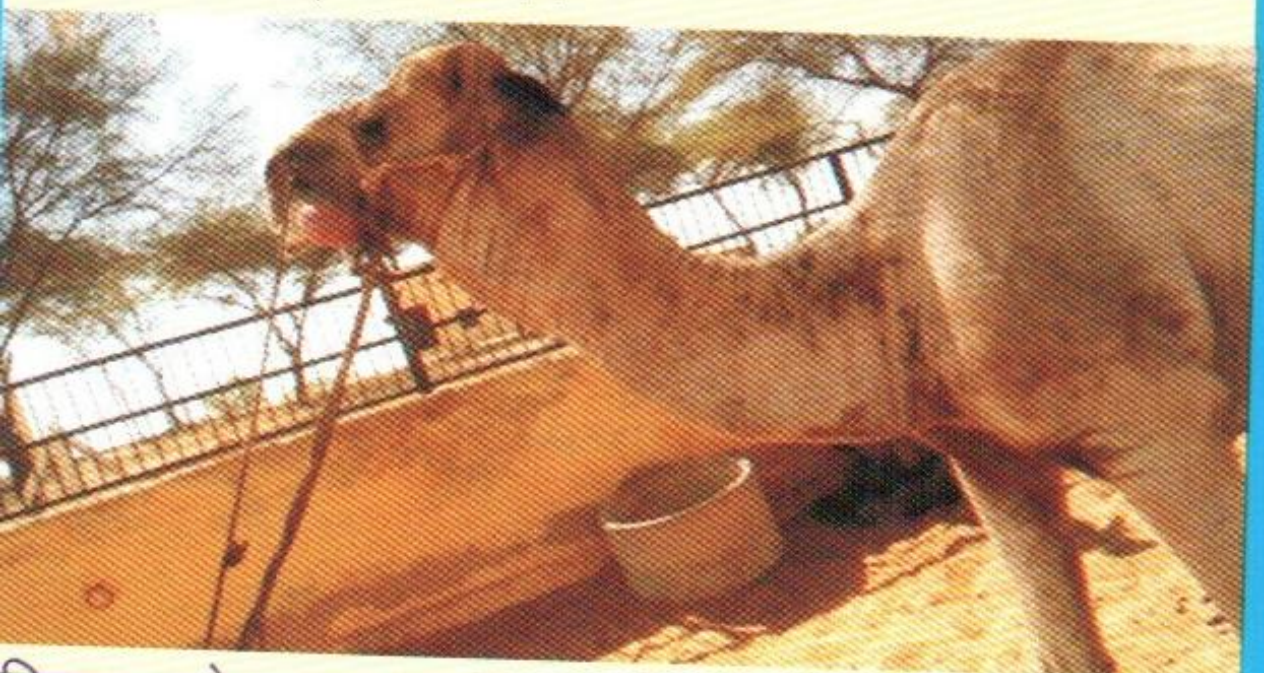

चित्र 1. कोमल तालू का गुलाबी गुब्बारा/गुल्ला

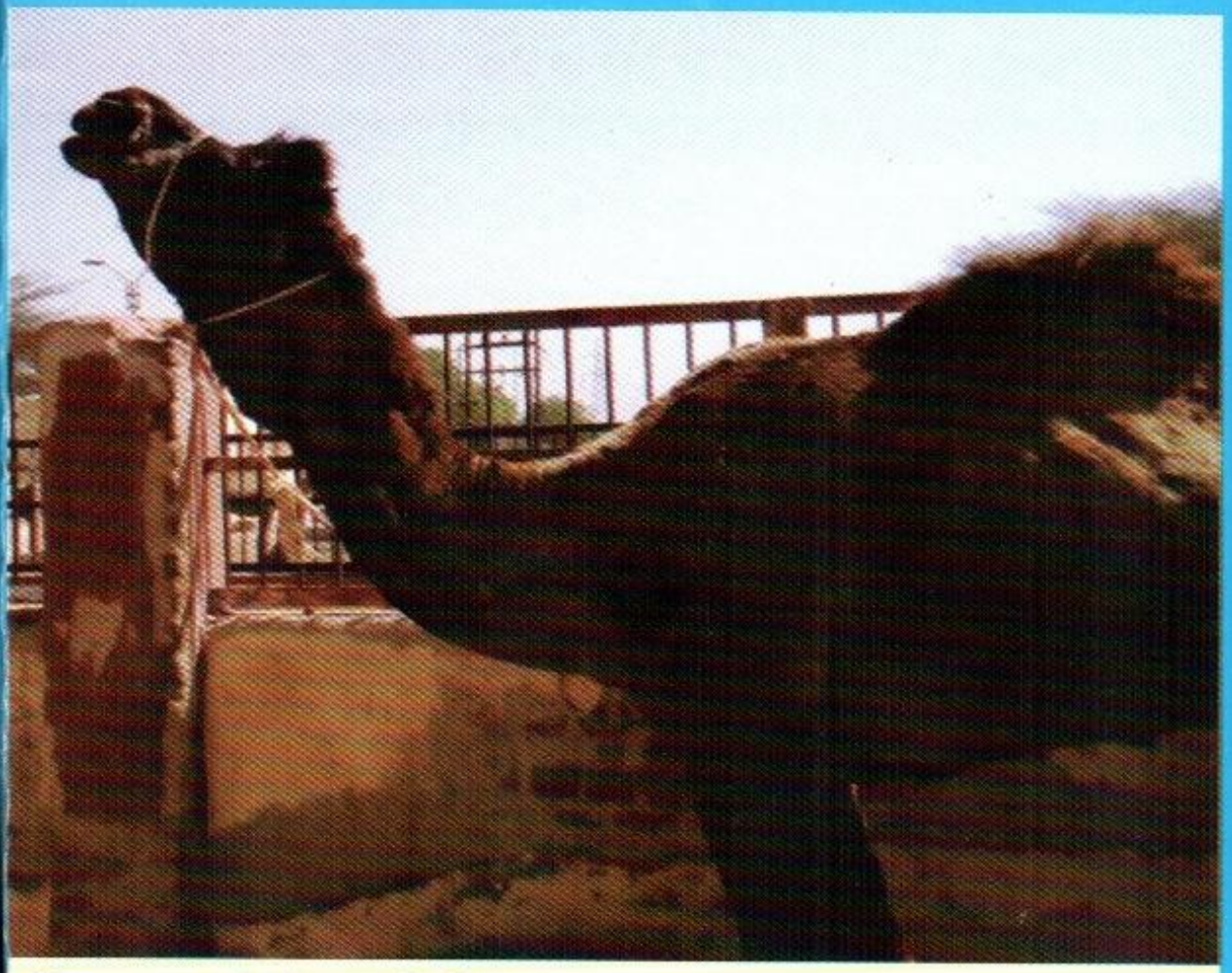

चित्र 2. फ्लेह्मेन प्रतिक्रिया

3. फ्लेह्मेन प्रतिक्रिया

यह एक खास प्रतिक्रिया या व्यवहार है जिसमें नर ऊँट, मादा ऊँट के पिछले हिस्से को सूँघने के बाद सिर ऊपर की ओर उठा लेता है और ऊपरी होंठ को सिकोड़ता है। मादा में प्रजनन की अवस्था को जांचने के लिए यह खास प्रतिक्रिया नर ऊँट सूंघकर करता है। यह प्रतिक्रिया दूसरे नर पशुओं जैसे कि सांड, भैंस आदि में भी पाई जाती हैं।

4. मूत्र छिड़काव

नर ऊँट पेशाब करने की स्थिति में पिछले पैर को फैलाने के साथ थोड़ी–थोड़ी मात्रा में मूत्र का उत्सर्जन करता है।

5. पूँछ आगे–पीछे करना

नर ऊँट थोड़ी मात्रा में मूत्र छिड़काव के साथ अपनी पूंछ को आगे–पीछे मारता है जिससे मूत्र की बौछार आगे खड़े मादा ऊँट पर पड़े। नर ऊँट यह क्रिया मादा को आकर्षित करने के लिए करता है। यह क्रिया नर ऊँट झूट/रट के दौरान बिना मादा के भी कर सकता है।

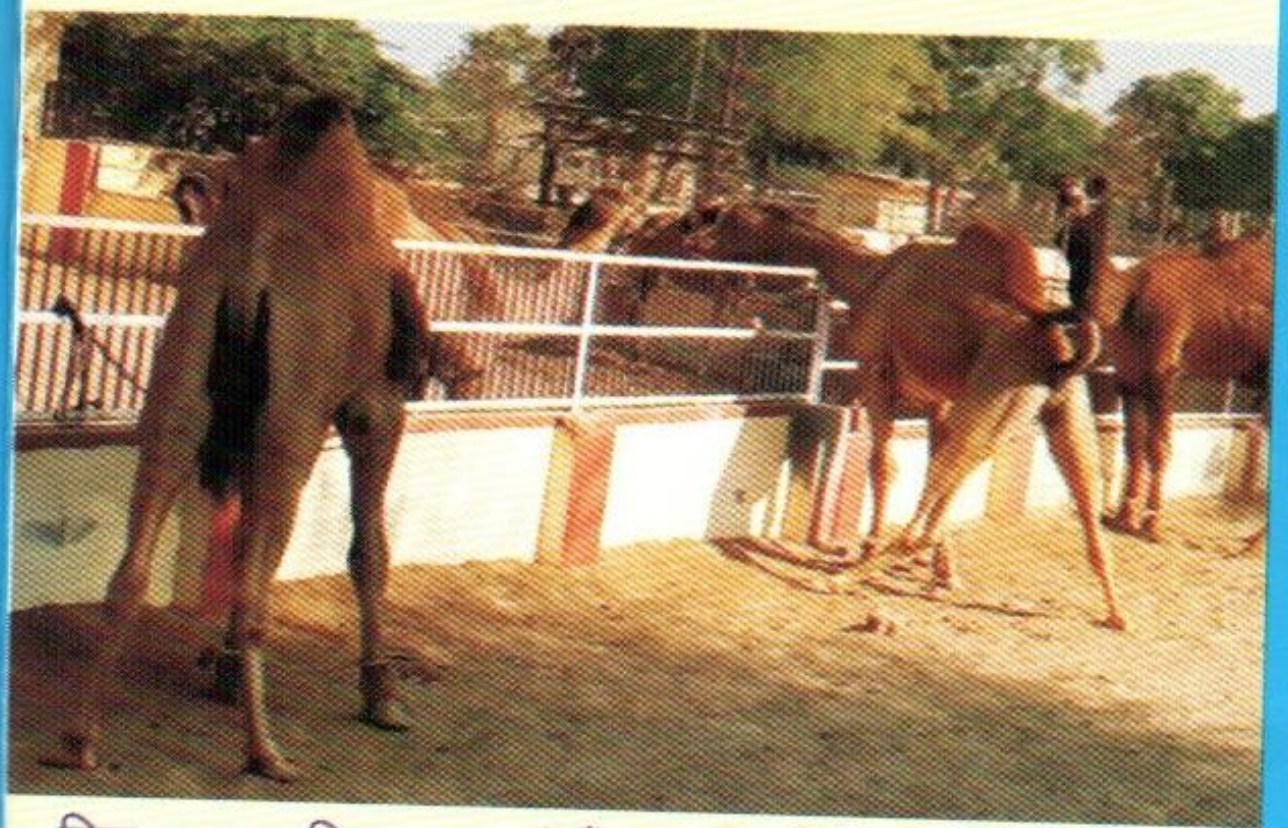

चित्र 3. मूत्र छिड़काव एवं पूँछ आगे–पीछे करने की अवस्था

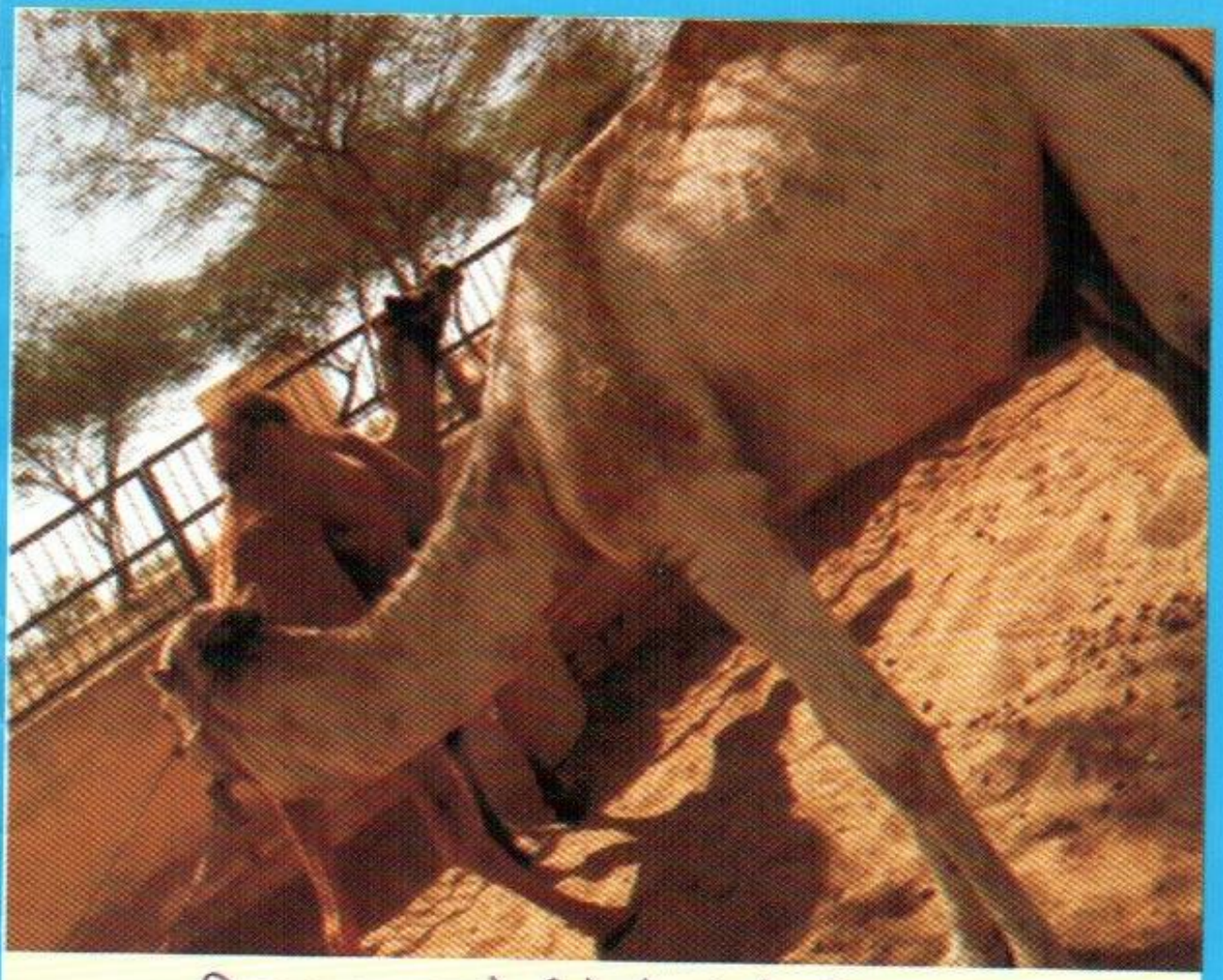

चित्र 4. मादा को पीछे से सूंघने की अवस्था

6. पोल ग्रंथियों से स्त्राव

ऊँटों में सिर के पीछे की ओर गहरे रंग की पोल ग्रंथियाँ पाई जाती हैं। इन ग्रंथियों से गहरे भूरे रंग का स्त्राव निकलता है और इस स्त्राव में विशेष फेरोमोन पाये जाते हैं एवं यह ऊँटों के प्रजनन में मदद करते हैं।

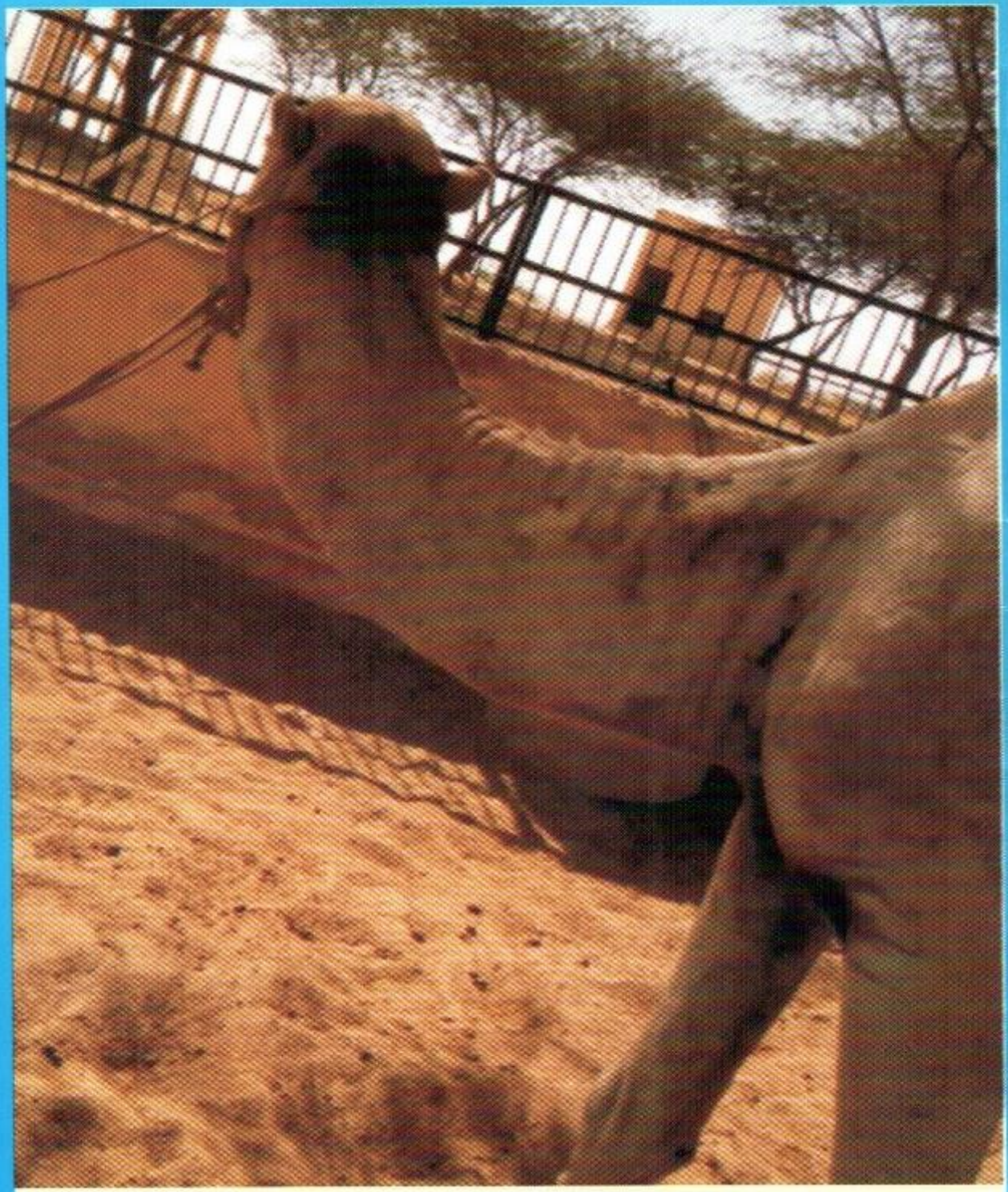

चित्र 5. कान के पीछे गहरे भूरे रंग की पोल ग्रन्थियों से स्त्राव

7. आक्रामकता / गर्दन पर काटना

नर ऊँट प्रजनन के मौसम के दौरान आक्रामक हो जाता है। सहवास के दौरान यह मादा को गर्दन पर काट सकता है एवं पास खड़े लोगों को भी नुकसान पहुचा सकता है। इसलिए नर ऊँटों को प्रजनन के मौसम के दौरान सावधानीपूर्वक रखना चाहिए।

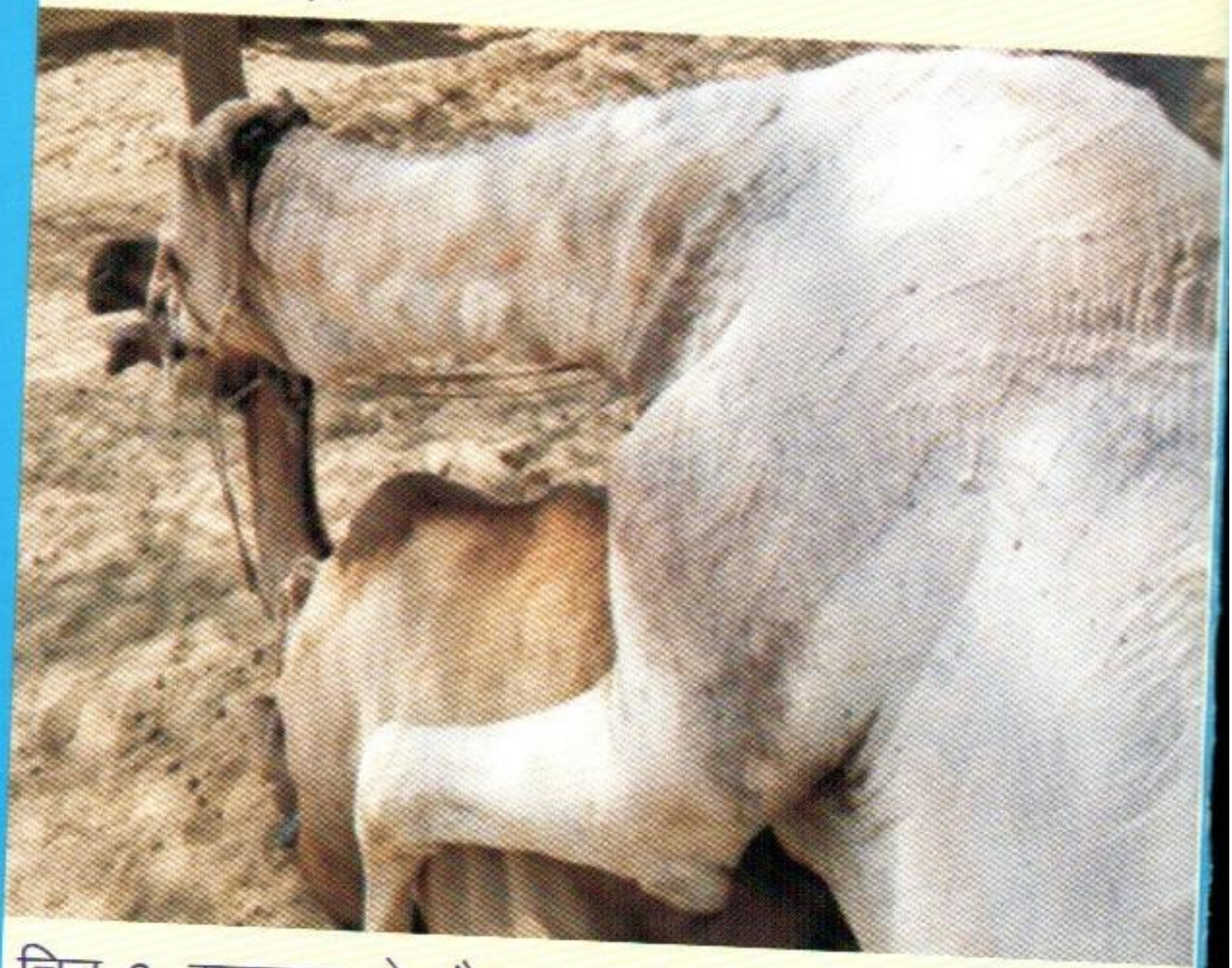

चित्र 6. सहवास के दौरान मादा की गर्दन पर काटने की अवस्था में नर ऊँट

8. अन्य लक्षण

नर ऊँट 'झूट' के दौरान अपने दांतों को आपस में रगड़ कर आवाज निकालता है। पिछली टांगे फैलाकर खड़ा होता है एवं चारा कम खाने लगता है।

प्रजनन व्यवहार (झूट) के समय ऊँट को परेशान करने, मारने पीटने या कोई सजा देने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से ऊँट के साथ–साथ ऊँट पालकों को भी नुकसान हो सकता है या चोट लग सकती है। नर ऊँट को प्रजनन मौसम के दौरान छोटी या तंग जगह में नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे प्रजनन क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है जबकि खुली जगह एवं हल्का व्यायाम प्रजनन क्षमता को बढ़ाता है। इन सभी बिन्दुओं को समझते हुए हम नर ऊँट की प्रजनन अवस्था को सही ढंग से पहचान सकते हैं। प्रजनन मौसम के दौरान इनके सही प्रबंधन से पशु पालक इनका पूरा उपयोग ले सकते हैं जिससे उनको ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सकता है और किसी दुर्घटना या नुकसान से बचा जा सकता है।

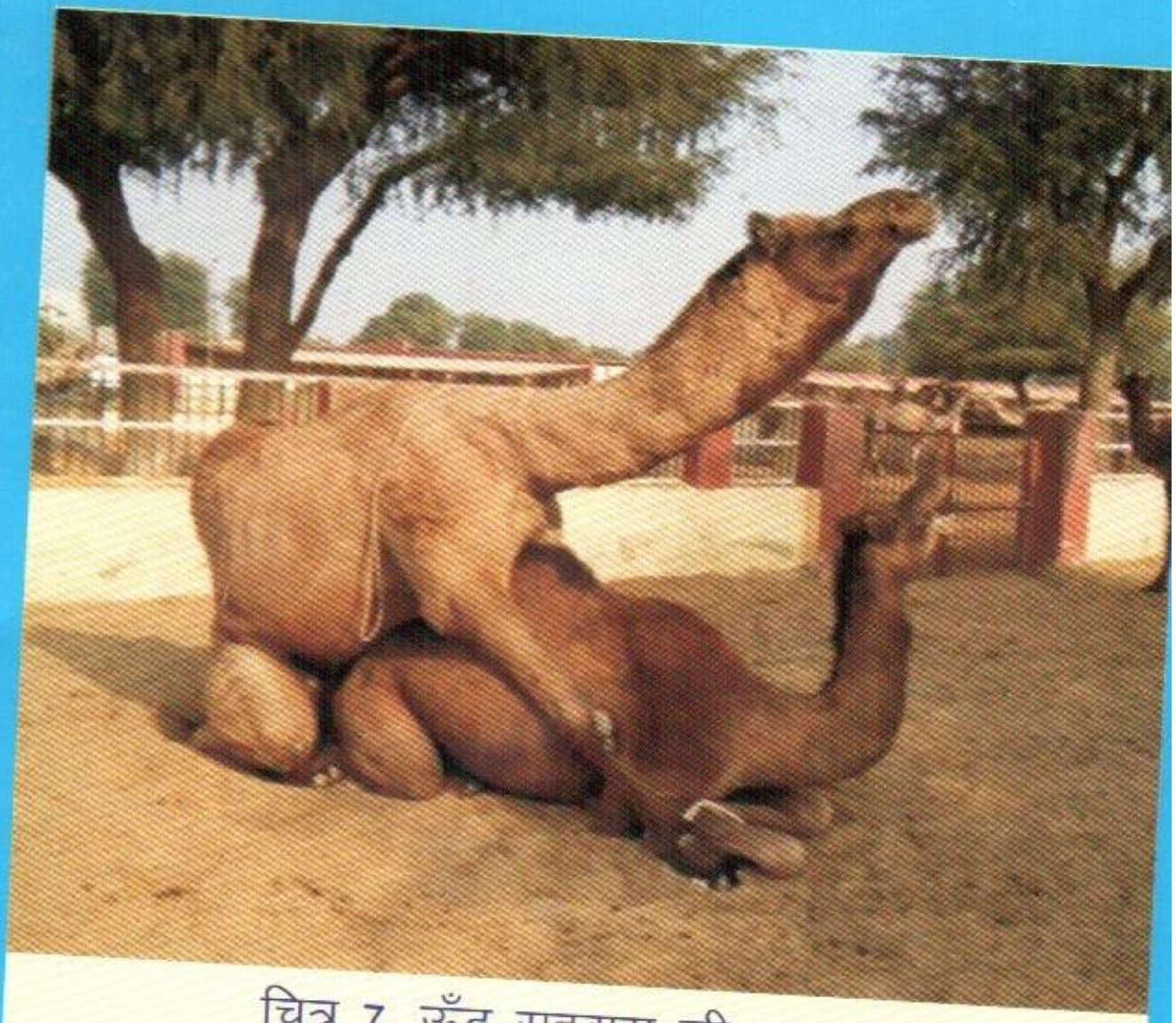

चित्र 7. ऊँट सहवास की अवस्था

प्रकाशक :–

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र

लेखक

मुहम्मद मतीन अंसारी, राकेश रंजन, राजेश कुमार सावल, सुमन्त व्यास एवं नितीन वी.पाटिल

भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र

जोड़बीड़, शिवबाड़ी, बीकानेर 334001 (राजस्थान)

दूरभाष : 0151: 2230183 फैक्स : 0151: 2970153